



Ratnesh



Divya

Model: Web-FreeMatching

Order No: 121627402

पुल्लिंग : _____ लिंग _____ : स्त्रीलिंग _____
 06/06/1996 : _____ जन्म तिथि _____ : 25/09/1997
 गुरुवार : _____ दिन _____ : गुरुवार
 घंटे 20:30:00 : _____ जन्म समय _____ : 10:10:00 घंटे
 घटी 38:08:31 : _____ जन्म समय(घटी) _____ : 10:30:28 घटी
 India : _____ देश _____ : India
 Unnao : _____ स्थान _____ : Unnao
 26:32:00 उत्तर : _____ अक्षांश _____ : 26:32:00 उत्तर
 80:30:00 पूर्व : _____ रेखांश _____ : 80:30:00 पूर्व
 82:30:00 पूर्व : _____ मध्य रेखांश _____ : 82:30:00 पूर्व
 घंटे -00:08:00 : _____ स्थानिक संस्कार _____ : -00:08:00 घंटे
 घंटे 00:00:00 : _____ ग्रीष्म संस्कार _____ : 00:00:00 घंटे
 05:14:35 : _____ सूर्योदय _____ : 05:57:48
 18:58:57 : _____ सूर्यास्त _____ : 18:01:12
 23:48:30 : _____ चित्रपक्षीय अयनांश _____ : 23:49:28

विंशोत्तरी
मंगल 4वर्ष 4मा 29दि
गुरु
05/11/2018
05/11/2034

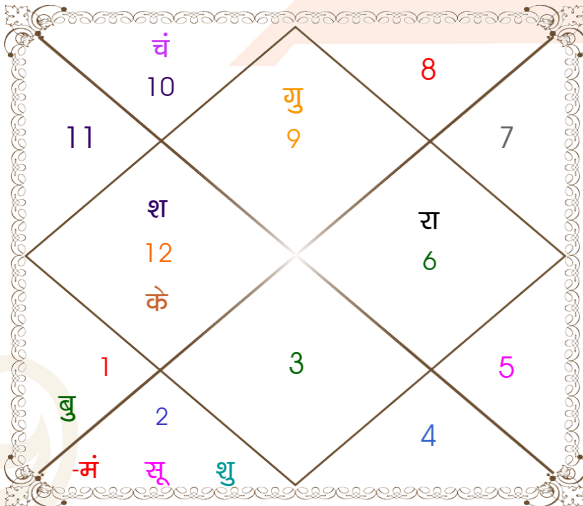
गुरु	23/12/2020
शनि	06/07/2023
बुध	11/10/2025
केतु	17/09/2026
शुक्र	18/05/2029
सूर्य	06/03/2030
चन्द्र	06/07/2031
मंगल	11/06/2032
राहु	05/11/2034

अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश
13:56:30	धनु	लग्न	वृश्चि	02:52:52
22:21:38	वृष	सूर्य	कन्या	08:19:39
28:15:39	मक	चंद्र	मिथु	27:13:45
01:53:21	वृष	मंगल	वृश्चि	03:34:42
29:23:37	मेष	बुध	सिंह	23:48:50
22:12:24	धनु व	गुरु व	मक	18:32:54
28:44:22	वृष व	शुक्र	तुला	21:17:20
12:07:45	मीन	शनि व	मीन	24:14:38
21:19:07	कन्या व	राहु	सिंह	25:52:11
21:19:07	मीन व	केतु	कुंभ	25:52:11
10:26:43	मक व	हर्ष व	मक	11:03:54
03:34:22	मक व	नेप व	मक	03:24:33
07:31:28	वृश्चि व	प्लूटो	वृश्चि	09:30:22

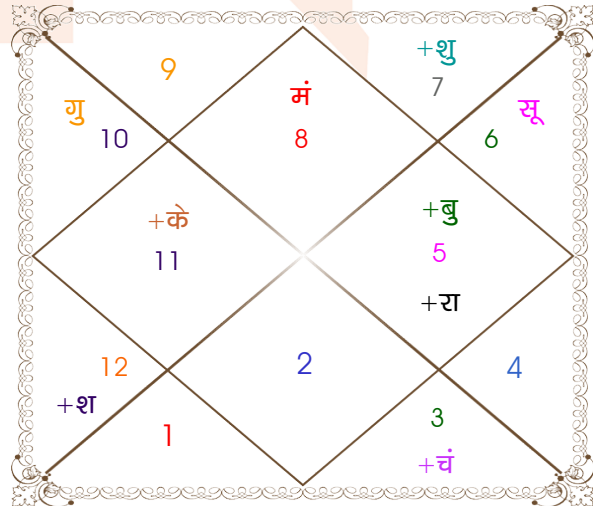
विंशोत्तरी
गुरु 7वर्ष 3मा 27दि
बुध
22/01/2024
21/01/2041

बुध	20/06/2026
केतु	17/06/2027
शुक्र	17/04/2030
सूर्य	21/02/2031
चन्द्र	23/07/2032
मंगल	20/07/2033
राहु	06/02/2036
गुरु	14/05/2038
शनि	21/01/2041

लग्न-चलित



लग्न-चलित



अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	वैश्य	शूद्र	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	जलचर	मानव	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	मित्र	विपत	3	1.50	--	भाग्य
योनि	सिंह	मार्जार	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	शनि	बुध	5	4.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	राक्षस	देव	6	1.00	--	सामाजिकता
भकूट	मकर	मिथुन	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाड़ी	मध्य	आद्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	18.50		

भकूट दोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता है।

तंजदमी का वर्ग मार्जार है तथा क्पअलं का वर्ग मेष है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार तंजदमी और क्पअलं का मिलान औसत है।

मंगलीक दोष मिलान

तंजदमी मंगलीक नहीं है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में षष्ठ भाव में स्थित है।

क्पअलं मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में प्रथम भाव में स्थित है।

**तनुधनुमदमायुर्लाभ व्ययगः कुजस्तु दाम्पत्यम् ।
विघटयति तद् गृहेशो न विघटयति तुंगमित्रगेहेवा ।।**

यदि मंगल स्व राशि अथवा उच्च का हो तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल क्पअलं कि कुण्डली में स्वराशि में है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

**त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः ।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत् ।।**

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि मंगल तंजदमी कि कुण्डली में षष्ठ भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

तंजदमी तथा क्पअलं में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।

